

---

---

---

---

---

---

---

---

**Sabbath Services**  
**1 November 2014**

**Smyrna**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Revelation 2:8-11**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 2:8-11

V8 - "And unto the angel of the church in Smyrna write; **These things saith the first and the last, which was dead, and is alive;**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Isaiah 41:1-10



---

---

---

---

---

---

---

---

## Isaiah 41:1-10

V4 - Who hath wrought and done it, calling the generations from the beginning? I **YHWH**, the first, and with the last; I am He.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 1:12-20**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Revelation 1:12-20**

V18 - "I am He that liveth, and was dead; and, behold, I am alive for evermore, Amen; and have the keys of hell and of death.



---

---

---

---

---



---

---

---

**Revelation 2:9-10a**

V9-10 - I know thy works, and tribulation, and poverty, (but thou art rich) and I know the blasphemy of them which say they are Jews, and are not, but are the synagogue of Satan. Fear none of those things which thou shalt suffer: behold, the devil shall cast some of you into prison, that ye may be tried; and ye shall have tribulation ten days:



---

---

---

---



---

---

---

---

**John 16:25-33**



---

---

---

---

---



---

---

---

**John 16:25-33**

V33 - These things I have spoken unto you, that in Me ye might have peace. In the world ye shall have tribulation: but be of good cheer; I have overcome the world.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Acts 14:21-28**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 14:21-28

V22 - Confirming the souls of the disciples, and exhorting them to continue in the faith, and that we must through much tribulation enter into the kingdom of The Mighty One.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 5:1-5



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 5:1-5

V1-3 - Therefore being justified by faith, we have peace with The Mighty One through our Master Y'HoWShUA Messiah: By whom also we have access by faith into this grace wherein we stand, **and rejoice in hope of the glory of The Mighty One. And not only so, but we glory in tribulations also: knowing that tribulation worketh patience;**



---

---

---

---

---

---

---

---

## 2 Thessalonians 1:1-12



---

---

---

---

---

---

---

---

## 2 Thessalonians 1:1-12

V4-7 - So that we ourselves glory in you in the assemblies of The Mighty One for your patience and faith in all your persecutions and tribulations that ye endure: Which is a manifest token of the righteous judgment of The Mighty One, that ye may be counted worthy of the kingdom of The Mighty One, for which ye also suffer: Seeing it is a righteous thing with The Mighty One to recompense tribulation to them that trouble you; And to you who are troubled rest with us, when the

Master Y'HoWShUA shall be revealed from heaven with his mighty angels,



---

---

---

---

---

---

---

---

## 2 Corinthians 8:1-15



---

---

---

---

---

---

---

---



## 2 Corinthians 8:1-15

V2 - How that in a great trial of affliction the abundance of their joy and their deep poverty abounded unto the riches of their liberality.

V9 - For ye know the grace of our Master Y'HoWShUA Messiah, that, though He was rich, yet for your sakes He became poor, that ye through His poverty might be rich.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 5:17-42



---

---

---

---

---

---

---

---

## Acts 5:17-42

V23-25 - Saying, The prison truly found we shut with all safety, and the keepers standing without before the doors: but when we had opened, we found no man within. Now when the high priest and the captain of the temple and the chief priests heard these things, they doubted of them whereunto this would grow. **Then came one and told them, saying, Behold, the men whom ye put in prison are standing in the temple, and teaching the people.**



---

---

---

---

---

---

---

---



## Mark 13:1-13



---

---

---

---

---

---

---

---

## Mark 13:1-13

V11 - But when they arrest and deliver you up, do not worry beforehand, or premeditate what you will speak. But whatever is given you in that hour, speak that; for it is not you who speak, but the Set Apart Spirit. (NKJV)



---

---

---

---

---

---

---

---

## Zechariah 4:1-14



---

---

---

---

---

---

---

---

## **Zechariah 4:1-14**

V10 - For who hath despised the day of small things? for they shall rejoice, and shall see the plummet in the hand of Zerubbabel with those seven; they are the eyes of **YHWH**, which run to and fro through the whole earth.



---

---

---

---

---

---

---

---

## **Revelation 2:10b-11**

V10b-11 - be thou faithful unto death, and I will give thee a crown of life. He that hath an ear, let him hear what the Spirit saith unto the assemblies; He that overcometh shall not be hurt of the second death.



---

---

---

---

---

---

---

---

## **Revelation 6:9-11**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Revelation 6:9-11

V14 - And when He had opened the fifth seal, I saw under the altar the souls of them that were slain for the word of The Mighty One, and for the testimony which they held:



---

---

---

---

---

---

---

---

## James 1:12-20



---

---

---

---

---

---

---

---

## James 1:12-20

V12 – Blessed is the man that endureth temptation: for when he is tried, he shall receive the crown of life, which the Master hath promised to them that love him.

V19-20 - Wherefore, my beloved brethren, let every man be swift to hear, slow to speak, slow to wrath: For the wrath of man worketh not the righteousness of The Mighty One.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 21:1-8**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Revelation 21:1-8**

V8 – **But the fearful, and unbelieving, and the abominable, and murderers, and whoremongers, and sorcerers, and idolaters, and all liars, shall have their part in the lake which burneth with fire and brimstone: which is the second death.**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Revelation 20:4-6**



---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation 20:4-6

V4 - And I saw thrones, and they sat upon them, and judgment was given unto them: and I saw the souls of them that were beheaded for the witness of Y'HoWShUA, and for the word of The Mighty One, and which had not worshipped the beast, neither his image, neither had received his mark upon their foreheads, or in their hands; and they lived and reigned with Messiah a thousand years.



---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation 20:4-6

V4-6 - But the rest of the dead lived not again until the thousand years were finished. This is the first resurrection. **Blessed and set apart is he that hath part in the first resurrection: on such the second death hath no power, but they shall be priests of The Mighty One and of Messiah, and shall reign with Him a thousand years.**



---

---

---

---

---

---

---

---

### Next Message

**Seven Assemblies of Asia Minor - Pergamos**

**Services Start at 1:30 pm**



---

---

---

---

---

---

---

---